

॥ महानिदेशालय कारागार राजस्थान जयपुर ॥

क्रमांक:- निरी/170/85-86/पार्ट-6/2008/ 927-1026 दिनांक:- 13-1-2009

समस्त प्रभाराधिकारी,  
केन्द्रीय/जिला/उप कारागृह,  
राजस्थान ।

:: परिपत्र ::

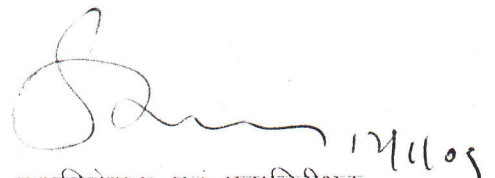
हाल ही में केन्द्रीय कारागृह, जयपुर में निरुद्ध एक बंदी ने दूसरे बंदी पर ब्लेड से हमला कर उसे घायल कर देने का मामला प्रकाश में आया है । इससे यह स्पष्ट होता है कि कारागार विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण कारागृह में तलाशी अभियान को गंभीरता से नहीं लेकर केवल मात्र खानापूति कर इतिश्री समझते हैं ।

महानिदेशालय के परिपत्र क्रमांक: निरीक्षण/16926-17026 दिनांक 13.5.08 एवं परिपत्र क्रमांक निरीक्षण 17027-127 दिनांक 13.5.08 तक क्रमांक निरी/170/85-86/पार्ट-6/2008/47138-239 दिनांक 24.10.08 के तहत इस सम्बन्ध में दिशा-निर्देश दिये जाने के बावजूद भी इनकी कड़ाई से पालना नहीं की जा रही है, जो सहनीय नहीं है ।

अतः पुनः निर्देशित किया जाता है कि कारागृहों पर सुचारु रूप से एवं गहनता से तलाशी अभियान जारी रखने के साथ-साथ प्रत्येक बंदी की बैरिक 15 दिन में बदली जावे तथा वार्ड भी माह में एक बार अवश्य बदला जावे, ताकि बंदियों तथा बैरिकों की पूर्ण तलाशी ली जा सके ।

परिपत्र की पालना का विशेष ध्यान रखा जावे तथा परिपत्र की प्राप्ति रसीद स्वयं के हस्ताक्षरों से अनिवार्य रूप से प्रेषित करें ।



  
महानिदेशक एवं महानिरीक्षक  
कारागार राजस्थान, जयपुर  
12/1/09